वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

एम. ए. उत्तरार्द्ध परीक्षा

एमएएचडी-06

कथा साहित्य

अवधि 3 घंटे **अधिकतम अंक 80**

निर्देश : प्रश्न पत्र खण्ड अ, ब और स में विभाजित है। खण्ड 'अ' अतिलघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तरात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

खण्ड ब

इस खण्ड में 8 प्रश्न सम्मिलित हैं। निम्नलिखित प्रश्नों में से कोई चार प्रश्न कीजिए। शब्द सीमा लगभग 100 से 150 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है। 8 × 4 = 32

प्रश्न 1 **निम्न गद्यांश का सप्रसंग व्याख्या कीजिए –**

सुनन्दा जहाँ थीं, वहाँ हैं। वह रोटी बना चुकी है। अंगीठी के कोयले उल्टे तवे से दबे हैं। माथे को उंगलियों पर टिकाकर वह बैठी है। बैठी-बैठी सूनी-सी देख रही है। सुन रही है कि उसके पति कालिन्दी चरण अपने मित्रों के साथ क्यों और क्या बात कर रहे हैं। उसे जोश का कारण समझ में आता। उत्साह उसके लिए अपरिचित है। वह उसके लिए कुछ दूर की वस्तु है, प्रहरणीय और मनोरम और हरियाली वह भारत माता की स्वतंत्रता को समझना चाहती है, पर उसको न भारत माता समझ में आती न स्वतंत्रता।

प्रश्न 2 **निम्न गधांशों का सप्रसंग व्याख्या कीजिए –**

महाराज को साधारण लोग-बाग की तरह कोई साधारण बीमारी नहीं थी। देश-विदेश से आये हुए बड़े डाक्टर भी उनकी बीमारी का निदान और उपचार करन में मुँह की खा गये थे। लोगों का विचार था कि चिकित्साशास्त्र के इतिहास में ऐसा रोग अब तक देखा-सुना नहीं गया। ऐसे राजरोग को कोई साधारण आदमी झेल भी कैसे सकता था।

प्रश्न 3 **नयी कहानी की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।**

प्रश्न 4 **'जिंदगी और जोंक' कहानी की विषयवस्तु लिखिए**

प्रश्न 5 **गोदान उपन्यास की प्रमुख नारी पात्रों का परिचय दीजिए।**

प्रश्न 6 **'टूटना' कहानी की मूल संवेदना लिखिए।**

प्रश्न 7 **ज्ञान रंजन की पिता कहानी की मूल संवेदना को प्रस्तुत कीजिए।**

प्रश्न 8 **'टूटना' कहानी की पात्र योजना पर प्रकाश डालिए।**

प्रश्न 9 **निम्न गद्यांशों का सप्रसंग व्याख्या कीजिए –**

शेरा कब लौट गया उसे कुछ पता नहीं, दुर्बल-सी देह और अकेली, बिना किसी सहारे के न जाने कब तकवहीं पड़ी रही शाहनी। दुपहर आयी और चली गयी। हवेली खुली पड़ी है। आज शाहनी नहीं उठ पा रही है। जैसे उसका अधिकार आज स्वयं ही छूट रहा है। शाहजी के घर की मालकिन लेकिन नहीं आज मोह नहीं हट रहा है मानों पत्थर हो गयी हो।

प्रश्न 10 **निम्न पद्यांशों का सप्रसंग व्याख्या कीजिए -**

''मुझे विश्वास है कि विद्रोही बनते नहीं उत्पन्न होते हैं, विद्रोह बुद्धि परिस्थितियों से संघर्ष की सामर्थ्य जीवन की क्रियाओं से परिस्थितियों के घात प्रतिघात से नहीं निर्मित होगी, वह आत्मा का कृत्रिम परिवेष्टन नहीं है। उसका अभिन्नतम अंग है। मैं नहीं मानता कि देव कुछ है क्योंकि हममें कोई विवशता, कोई बाध्यता है तो वह बाहरी नहीं भीतरी है। परकीया होती तो हम उसे देव कह सकते पर वह भीतरी है हमारी अपनी है।''

प्रश्न 11 उपन्यास के प्रमुख प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 12 प्रेमचन्द युगीन उपन्यास की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 13 'समय सरगम' उपन्यास की कथावस्तु लिखिए।

प्रश्न 14 ''शेखर एक जीवनी'' की नारी पात्र 'शशि' का चरित्र चित्रण कीजिए।

प्रश्न 15 कहानी के प्रमुख तत्वों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 16 जैनेन्द्र की कहानी कला पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 17 निम्न गद्यांशों का सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

शहर में न कोई हलचल थी, न मारकाट। एक बूंद भी खून नहीं गिरा था। आज तक किसी स्वाधीन देश के राजा की पराजय इतनी शांति से, इस तरह खून बहे बिना न हुई हागी। यह वह अहिंसा न थी, जिस पर देवगण प्रसन्न होते है। यह वह कायरपन था, जिस पर बड़ेबड़े - कायर भी आँसू बहाते है।

प्रश्न 18 निम्न गद्यांशों का सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

दो धुंधली, जलभरी आँखों दो उदास आँखें से मिलीं। उनमें एक मूक अनुनय थी। सुबोध ने माँ के चेहरे को देखा और मुसकरा दिया शब्द निरर्थक थे, दोनों एक-दुसरे की गोपन व्यथा से परिचित थे। उनमें एक मूल समझौता था। माँ ने इधर बहुत दिनों से सुबोध से नौकरी के विषय में नहीं पूंछा था और सुबोध भी अपने आप यह प्रसंग न छेड़ना चाहता था।

प्रश्न 19 'मधुवा' कहानी के पात्र 'शराबी' के चरित्र की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 20 'सचेतन' कहानी की प्रमुख विशेषताओं को लिखिए।

प्रश्न 21 'गोदान' उपन्यास में वर्णित प्रमुख समस्याओं का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 22 मनोविश्लेषणवादी उपन्यासों की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 23 'शेखर एक जीवनी' के मूल प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 24 कृष्णा सोबती के उपन्यासों की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिये।

प्रश्न 25 मुझे विश्वास है कि विद्रोही बनते नहीं, उत्पन्न होते है, विद्रोह बुद्धि परिस्थितियों से संघर्ष की सामर्थ्य जीवन की क्रियाओं परिस्थितियों घात नहीं निर्मित होती वह आत्मा का प्रतिघात से- कृत्रिम परिवेष्टन नहीं है। उसका अभिन्नतम अंग है। मैं नहीं मानता कि देव कुछ है क्योंकि हममे कोई विवशता कोई बाध्यता है तो वह बाहरी नहीं भीतरी है, यदि बाहरी होती, परकीय होती तो हम उसे देव कह सकते पर वह तो भीतरी है हमारी अपनी है उसके पक्के होने के लिए भले ही बाहरी निमित्त है उसे हम व्यक्तिगत निमित्त कह सकते है।

प्रश्न 26 ''शहर में न कोई हलचल थी, न मार काट। एक बूँद भी खून नहीं गिरा का। आजतक किसी स्वाधीन देश के राजा की पराजय इतनी शांति से, इस तरह खून बहे बिना न हुई होगी। यह वह अहिंसा न थी, जिस पर देवगण प्रसन्न होते है। यह वह कायरपन था, जिस पर बड़े-बड़े कायर भी आंसू बहातें हैं।

प्रश्न 27 'सारा खेल रूपये का है और अब रूपया कमाना है उसने निश्चय किया और भूत तरह रूपये के पीछे लग गया भूल गया, कहीं कोई लीना है, कहीं कोई दीक्षित साहब है और कहीं कोई अतीत है। एक नौकरी पर पाँव टिकाकर दूसरी का सौदा होता रहा.....पहला तल्ला तल्ले के इस चैम्बर में ले आयी जिसके दरवाजे पर लिखा था, जनरल मैनेजर .....

प्रश्न 28 'मधुवा कहानी की मूल संवेदना स्फ्ट कीजिए ?

प्रश्न 29 'गोदान उपन्यास की कथावस्तु को प्रस्तुत कीजिए ?

प्रश्न 30 'नयी कहानी की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 31 'जिन्दगी और जोंक कहानी के प्रमुख पात्र 'रजुआ का चरित्र चित्रण कीजिए।

प्रश्न 32 'महाराजा का इलाज कहानी में सामंती जीवन शैली का यथार्थ चित्रण हुआ है। इस कथन की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न 33 निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

"इसलिए नहीं कि तुम जीवन में सबसे पहले आयी या तुम सबसे ताजी स्मृति हो इसलिए कि मेरा होना अनिवार्य रूप से तुम्हारे होने को लेकर है। ठीक वैसे ही, जैसे तलवार में धार होना शान की पूर्व कल्पना करता है। तुम वह स्थान रही हो जिस पर मेरा जीवन बराबर चढाया जाकर तेज होता रहा है। जिस पर मँज मँजकर में कुछ बना हूँ। जो संसार के आगे खड़ा होने में लज्जित नहीं है। शायद होने का कोई कारण नहीं जानता।

प्रश्न 34 निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

"राज्य में हाहाकार मचा हुआ था। प्रजा दिन दहाडे लूटी जाती थी कोई फरियाद सुनने वाला न था। देहातों की सारी दौलत लखनऊ में खिंची आती थी और वह वैश्याओं में भाडों में और विलासिता के अन्य अंगों की पूर्ति में उड जाती थी। अंग्रेज कम्पनी का ऋण दिन-दिन बढता जाता था। कमली दिन-दिन भीग कर भारी होती जाती थी।

प्रश्न 35 निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

"एक चिन्ता-पूर्ण आलोक में आज पहले पहल शराबी ने आँख खोलकर कोठरी में बिखरे हुए दारिद्रय की विभूति को देखा और देखा उस घुटनों से ठुड्डी लगाए हुए निरीह बालक को। उसने तिलमिलाकर मन ही मन प्रश्न किया किसने ऐसे सुकुमार फूलों को कष्ट देने के लिए निर्दयता की सृष्टि की ? आह री नियति। तब इसको लेकर मुझे घर-बारी बनना पडे. गा क्या ? दुर्भाग्य! जिसे मैंने कभी सोचा न था।

प्रश्न 36 'पिता कहानी की मूल संवेदना व्यक्त कीजिए।

प्रश्न 37 'जिन्दगी और जाेंक कहानी की मूल संवेदन स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 38 'समय सरगम उपन्यास की विषय वस्तु प्रस्तुत कीजिए।

प्रश्न 39 स्वातंत्रयोत्तर हिन्दी उपन्यास की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिये।

प्रश्न 40 "राजेन्द्र यादव की 'टूटना कहानी स्त्री पुरूष सम्बन्धों के-टूटने बिखरने की कहानी है। स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 41 निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

"वाजिद अली शाह का समय था। लखनऊ विलासिता के रंग में डूबा हुआ था। छोटे-बडे, गरीब-अमीर सभी विलासिता में डूबे हुए थे। कोई नृत्य और गान की मजलिस सजाता था तो कोई अफीम की पीनक ही में मजे लेता था। जीवन के प्रत्येक विभाग में आमोद-प्रमोद का

प्राधान्य था। शासन-विभाग में, साहित्य क्षेत्र में, कला कौशल में, उधोग धन्धों में आहार-विहार में सर्वत्र विलासिता व्याप्त हो रही थी।

प्रश्न 42 निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

''बूढों से सुने हुए वे नवाबी के सोने के दिन, अमीरों की रंग-रलियाँ, दुखियों की दर्द-भरी आहें, रंग महलों में घुल-घुल भरने वाली बेगमें, अपने-आप सिर में चक्कर काटती रहती है। मै उनकी पीडा से रोने लगमा हूँ। अमीर कंगाल हो जाते है। बडों-बडों के घमण्ड चूर होकर धूल में मिल जाते है। तब भी दुनिया बडी पागल है। मै उसके पागलपन को भूलने के लिए शराब पीने लगता हूँ सराकार

प्रश्न 43 निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

''महाराजा को साधारण लोग-बाग की तरह कोई साधारण बीमारी नहीं थी। देश-विदेश से आये हुए बडे से बडे डाक्टर भी बीमारी का निदान और उपचार करने में मुँह की खा गये थे। लोगों का विचार था कि चिकित्सा शास्त्र के इतिहास में ऐसा अब तक देखा-सुना नहीं गया। ऐसे राजयोग को कोई साधारण आदमी झेल भी कैसे सकता था।

प्रश्न 44 'मेहता और 'मालती के चरित्रों की विवेचना कीजिए।

प्रश्न 45 'शेखर एक जीवनी के मूल प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिये।

प्रश्न 46 'मित्रों मरजानी उपन्यास की मूल संवेदना व्यक्त कीजिए।

प्रश्न 47 नयी कहानी की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 48 'मेरा दुश्मन में बलदेव वैद एक उलझन से जूझते है। उस उलझन को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 49 निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

दोनों दोस्तों ने कमर से तलवारें निकाल ली। नवाबी जमाना था सभी तलवार, पेशकब्ज, कटार वगैरह बाधते है। दोनों विलासी थे, पर कायर न थे। उसमें राजनीतिक भावों का अध:पतन हो गया था। बादशाह के लिए, बादशाहत के लिउ क्यों मरें पर व्यकितगत वीरता का अभाव न था। दोनों जख्म खाकर गिरे, और दोनों ने वहीं तडप- तडप कर जानें दे दी।

प्रश्न 50 निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

एक सुकुमार बालक की दयनीय दशा देखकर शराबी का ह्रदय पिघल जाता है और भूखे निरीह बालक को अपने साथ अपनी कोठरी पर ले आता है। वह भूखे बालक का पेट भेरने के लिए ठाकुर साहब द्वारा दिये गये एक रूपये की पूरी, मिठाई व नमकीन ले आता है। दोनों भरपेट खाकर सो जाते है। दूसरे दिन जब शराबी जागता है तो उसकी मन:स्थिति परिवर्तित हो चुकी हो।

प्रश्न 51 उपन्यास के प्रमुख तत्वों का संक्षिप्त विवेचन कीजिए।

प्रश्न 52 उपन्यास और कहानी में क्या अन्तर है स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 53 'मधुआ कहानी की मूल संवेदना लिखिए।

प्रश्न 54 'पत्नी कहानी की कथावस्तु लिखिए।

प्रश्न 55 'पिता कहानी के पिता का चरित्र चित्रण कीजिए।

प्रश्न 56 'जिन्दगी और गुलाब के फूल' कहानी के शिल्प विधान पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 57 निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

अत मेरे सामने दो ही रास्ते है। एक यह कि होश में आने से पहले मै उसे जान से मार डालू और दूसरा यह है कि अपना जरूरी सामान बाँधकर तैयार हो जाऊँ और ज्यूँ ही उसे

होश आये, हम दानों फिर उसी रास्ते पर चल दे, जिससे भागकर कुछ बरस पहले मैंने मोलो की गोद में पहना ली।

प्रश्न 58 निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

कौन नहीं है आज वहाँ ? सारा गाँव है, जो उसके इशारे पर नाचता था कभी। उसकी आसमीयाँ है जिन्हें उसने अपने नातेरिश्तों से कभी कम नहीं समझा। लेकिन नहीं-, आज उसका कोई नहीं, आज वह अकेली है, यह भीड़ की भीड, उनमें कुल्लूथाल के जाट। वह क्या सुबह ही न समझा गयी थी ?

प्रश्न 59 राज नैतिक चेतना केन्द्रित उपन्यासों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

प्रश्न 60 'गोदान उपन्यास के शिल्प विधान पर विचार व्यक्त कीजिए।

प्रश्न 61 शेखर एक जीवन के मूल प्रतिपाध का विवेचन कीजिए।

प्रश्न 62 कृष्णा सोबती के व्यक्तित्व का सामान्य परिचय दीजिए।

प्रश्न 63 'समय सरगम उपन्यास की मूल संवेदना को व्यक्त कीजिए।

प्रश्न 64 'मधुआ कहानी की कथावस्तु बताइये।

प्रश्न 65 निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

राज्य में हाहाकार मचा हुआ था। प्रजा दिन दहाडे लूटी जाती थी। कोई फरियाद सुनने वाला न था। देहातों की सारी दौलत लखनऊ में खिची आती थी और वैश्याओं में भाण्डों में और विलासिता के अन्य अंगों की पूर्ति में उड़ जाती थी। अंग्रेज कम्पनी का ऋण दिन-दिन बढता जाता था। कम्पनी दिन-दिन भीग कर भारी होती जाती थी।

प्रश्न 66 निम्नलिखित गधांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

किस अतीत को भूलने की बात लीना करती है ? इन पिछले आठ वर्षों वाला अतीत या वह, जो इनके पहले बीता था ? और इसी तरह की कोई चीज लगातार कहीं घुमड रही है? इसे वह जरूर महसूस करता रहा। इस समय लगता घुमडते हुए उस निराकार ने प्राय स्पष्ट प्रश्न एक रूप लिया है। आखिर उसने क्यों लिखा ?

प्रश्न 67 प्रेमचन्द की कहानियों की प्रमुख विशेषताएँ लिखिएं

प्रश्न 68 'जिन्दगी और जोंक कहानी के आधार पर अमरकान्त की कहानियों की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न 69 'शतरंज के खिलडी कहानी की मूल संवेदना प्रस्तुत कीजिए।

प्रश्न 70 'टूटना कहानी के शिल्प विधान पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 71 'जिन्दगी और गुलाब के फूल' कहानी की कथावस्तु लिखिए।

प्रश्न 72 'मेरा दुश्मन कहानी का मूल उद्देश्य प्रकट कीजिए।

उत्तर तालिका खण्ड ब

प्रश्न 1 पत्नी जैनेन्द्र -

प्रश्न 2 महाराजा का इलाज यशपाल -

प्रश्न 9 सिक्का बदल गया

प्रश्न 10 शेखर एकजीवनी - अज्ञेय

प्रश्न 17 शतरंज के खिलाड़ी प्रेमचन्द -

प्रश्न 18 'जिन्दगी और गुलाब का फूल' - उषा प्रियम्वदा

प्रश्न 25 **"शेखर एक जीवनी अज्ञेय**

प्रश्न 26 **शेतरंज के खिलाडी (प्रेमचन्द्र)**

प्रश्न 27 **टूटनाराजेन्द्र यादव।-**

प्रश्न 33 **शेखर एक जीवनी - अज्ञेय**

प्रश्न 34 **शतरंज के खिलाडी - प्रेमचन्द**

प्रश्न 35 **मधुआ - जय शंकर प्रसाद**

प्रश्न 41 **शतरंज के खिलाडी प्रेमचन्द -**

प्रश्न 42 **मधुआ प्रसाद -**

प्रश्न 43 **महाराजा का इलाज यशपाल –**

प्रश्न 49 **शतरंज के खिलाडी प्रेमचन्द -**

प्रश्न 50 **मधुआ- प्रसाद**

प्रश्न 57 **मेरा दुश्मन - कृष्ण बलदेव वैद**

प्रश्न 58 **सिक्का बदल गया - कृष्णा सोवती**

प्रश्न 65 **शतरंज के खिलाडीप्रेमचन्द -**

प्रश्न 66 **टूटना राजेन्द्र यादव-**